पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

सत्रीय कार्य(Assignment Work)सत्र –जून–जुलाई 2021–22

एम.ए.–अंतिम (संस्कृत)

विषय –गद्य एवं काव्य **प्रश्न–पत्रः प्रथम**

पूर्णांक : 30 **न्यूनतम उत्तीर्णांकः 12**

नोटः– परीक्षार्थी प्रत्येक खण्ड के निर्देशों को ध्यान से पढ़कर प्रश्नों को हल करें।

परीक्षार्थी हेतु निर्देश :

खण्ड अ– अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1 से 8) कुल 08 प्रश्न है, सभी प्रश्न अनिवार्य। प्रति प्रश्न 0.5 अंक उत्तर शब्द सीमा 1–2 शब्द या एक वाक्य।

खण्ड ब –अति लघुउत्तरीय प्रश्न (9 से 14) कुल 06 प्रश्न है जिसमें से कोई 04 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 01 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 75 या आधा पेज।

खण्ड स –लघुउत्तरीय प्रश्न (15 से 18) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 03 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 02 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 150 या एक पेज।

खण्ड द –अर्द्ध दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (19 से 22) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 02 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 04 अंक का होगा। शब्द सीमा 300 या दो पेज।

खण्ड ई – दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (23 से 24) कुल 02 प्रश्न है जिसमें से कोई 01 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 08 अंक का होगा। उत्तर की शब्द सीमा 600–750 या 4–5 पेज।

खण्ड—अ

1. 'पण्यस्त्री' शब्द का अर्थ लिखिए।
2. यक्ष को शाप किसने दिया ?
3. अलकापुरी कहाँ स्थित है ?
4. 'कररुइ' का अर्थ क्या है ?
5. 'नैषधीयचरितम्' कितने सर्गों में विभक्त है ?
6. 'वैरोचनिज' शब्द का अर्थ लिखिए।
7. 'कुमारसम्भवम्' किसकी कृति है ?
8. कार्तिकेय की उत्पत्ति का वर्णन किस महाकाव्य में है ?

खण्ड—ब

9. 'याच्ञा मोघा वरमधिगुणे नाधमे लब्धकामा" की व्याख्या कीजिए।
10. अलकापुरी का वर्णन कीजिए।
11. नैषधानुसार चतुर्दश विधाओं का वर्णन कीजिए।
12. राजा नल के गुणों का वर्णन कीजिए।
13. नारद ने पार्वती के विषय के क्या कहा ?
14. पार्वती अपनी माँ की गोद में किस प्रकार शोभित हुई ?

खण्ड—स

सप्रसङ्ग किन्हीं **तीन** पद्यों की व्याख्या कीजिए :

15. रत्नच्छाया व्यतिकर इव प्रेक्ष्यमेतत्पुरस्तात्❁
    बल्मीकाग्रात्प्रभवति धनुः खण्डमाखण्डलस्य।
    येन श्याम वपुरतितरां कान्ति मापत्स्यते ते❁
    बर्हेणेव स्फुरितरुचिना गोपवेषस्य विष्णोः।

16. मन्दाकिन्या सलिलशिशिरैः सेव्यमानामरुद्भिः❁
    मन्दाराजामनुतटरुहां छायया वारितोष्णाः।
    अन्वेष्टव्यैः कनकसिकतामुष्टि निक्षेपगूढैः❁
    संक्रीडन्ते मणिभिरमरप्रार्थिता यत्र कन्याः।

17. अयं दरिद्रो भवितेति वैधसीं लिपिं ललाटेर्थिजनस्य जाग्रतीम्।
    मृषा न चक्रेल्पितकल्पपादपः प्रणीय दारिद्रय दरीद्रतां नृपः।

18. दिने-दिने सा परिवर्धमाना लब्धोदया चान्द्रमसीव लेखा।
    पुपोष लावण्यमयान्विशेषा✧ज्योत्सनान्तराणीव कलान्तराणि।

खण्ड—द

19. मेघदूतस्थ वन-पर्वत-नदियों का वर्णन कीजिए।
20. कालिदास ने प्रकृति का मानवीकरण किया है❁ स्पष्ट कीजिए।
21. 'नैषधे पद लालित्यं' इस उक्ति की समीक्षा कीजिए।
22. 'कुमारसम्भवम्' के महाकाव्यत्व पर प्रकाश डालिए।

खण्ड—इ

23. श्रीहर्ष की काव्यकला एवं भाषाशैली पर प्रकाश डालिए।
24. कालिदास के काव्य-सौष्ठव का प्रतिपादन कीजिए।

आवश्यक निर्देश :–

1. **सत्रीय लेखन कार्य को घर से लिखकर उत्तरपुस्तिका दिनांक 28 फरवरी 2022 तक संबंधित अध्ययन केन्द्र में जमा करें। सत्रीय कार्य स्व–हस्तलिखित होना चाहिए। दूसरे के द्वारा लिखा गया, फोटोकापी या पुस्तक का हिस्सा चिपकाना अनुचित साधन का प्रयोग माना जायेगा।**
2. **छात्र सत्रीय कार्य लेखन हेतु अन्य संदर्भित पुस्तकों का भी उपयोग कर सकते है।**
3. **सत्रांत परीक्षा सत्र जून–जुलाई 2021–22 का सैद्धांतिक प्रश्न पत्र का स्वरूप सत्रीय कार्य जून–जुलाई 2021–22 जैसा ही रहेगा।**
4. **सत्रीय कार्य के मूल्यांकन में छात्र द्वारा किए गए अध्ययन एवं लेखन, विषय की व्याख्या तथा लेखन में मौलिकता को आधार बनाया जायेगा। इसमें अध्ययन लेखन पर अधिकतम 60 प्रतिशत (18 अंक) दिया जावेगा, विषय–वस्तु की व्याख्या के लिएअधिकतम 20 प्रतिशम (6 अंक) तथा सृजनात्मक, मौलिक–सोच प्रदर्शित होने पर अधिकतम 20 प्रतिशत (6 अंक) प्राप्त हो सकते है। इस प्रकार मूल 100 प्रतिशत (30 अंक) का विभाजन रहेगा।**

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

सत्रीय कार्य(Assignment Work)सत्र –जून–जुलाई 2021–22

एम.ए.–अंतिम (संस्कृत)

विषय –साहित्यशास्त्र **प्रश्न–पत्रः द्वितीय**

पूर्णांक : 30 **न्यूनतम उत्तीर्णांकः 12**

नोटः– परीक्षार्थी प्रत्येक खण्ड के निर्देशों को ध्यान से पढ़कर प्रश्नों को हल करें।

परीक्षार्थी हेतु निर्देश :

खण्ड अ– अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1 से 8) कुल 08 प्रश्न है, सभी प्रश्न अनिवार्य। प्रति प्रश्न 0.5 अंक उत्तर शब्द सीमा 1–2 शब्द या एक वाक्य।

खण्ड ब –अति लघुउत्तरीय प्रश्न (9 से 14) कुल 06 प्रश्न है जिसमें से कोई 04 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 01 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 75 या आधा पेज।

खण्ड स –लघुउत्तरीय प्रश्न (15 से 18) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 03 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 02 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 150 या एक पेज।

खण्ड द –अर्द्ध दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (19 से 22) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 02 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 04 अंक का होगा। शब्द सीमा 300 या दो पेज।

खण्ड ई – दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (23 से 24) कुल 02 प्रश्न है जिसमें से कोई 01 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 08 अंक का होगा। उत्तर की शब्द सीमा 600–750 या 4–5 पेज।

खण्ड–अ

1. काव्यप्रकाश मंगलाचरण में कौन-सा अलंकार है ?
2. किस काव्य में व्यंग्य का प्राधान्य होता है ?
3. अद्‌भुत रस का स्थायी भाव क्या है ?
4. त्रास कौन-सा भाव है ?
5. अभाववादियों के कितने पक्ष हैं ?
6. 'ध्वन्यालोक' के रचयिता कौन हैं ?
7. दारु कर्म क्या है ?
8. 'नाट्यशास्त्र' के रचयिता कौन हैं ?

खण्ड–ब

9. साध्यवसाना लक्षणा क्या है ?
10. रसों के नाम लिखिए।
11. भरत का रस सूत्र क्या है ?
12. वाच्य और प्रतिमान अर्थ का भेद स्पष्ट कीजिए।
13. अभाववादियों के मत का खण्डन कीजिए।

14. जर्जर पर टिप्पणी लिखिए।

खण्ड—स

15. "तात्पर्यार्थोऽपि" को स्पष्ट कीजिए।

16. काक्वाक्षिप्त गुणीभूत व्यंग्य काव्य पर प्रकाश डालिए।

17. ध्वनि भेद का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

18. भारती वृत्ति का परिचय दीजिए।

खण्ड—द

19. "लक्षणा तेन षड्विधा' को स्पष्ट कीजिए।

20. व्यंजना विषयक मीमांसक मत का उल्लेख कीजिए।

21. नास्तिक ध्वनि को स्पष्ट कीजिए।

22. नाट्यशास्त्र पर संक्षिप्त लेख लिखिए।

खण्ड—इ

23. मम्मट के काव्य प्रयोजन पर प्रकाश डालिए।

24. नाट्यशास्त्र सम्बन्धित विविध मतों की समीक्षा कीजिए।

आवश्यक निर्देश :—

1. **सत्रीय लेखन कार्य को घर से लिखकर उत्तरपुस्तिका दिनांक 28 फरवरी 2022 तक संबंधित अध्ययन केन्द्र में जमा करें। सत्रीय कार्य स्व—हस्तलिखित होना चाहिए। दूसरे के द्वारा लिखा गया, फोटोकापी या पुस्तक का हिस्सा चिपकाना अनुचित साधन का प्रयोग माना जायेगा।**
2. **छात्र सत्रीय कार्य लेखन हेतु अन्य संदर्भित पुस्तकों का भी उपयोग कर सकते है।**
3. **सत्रांत परीक्षा सत्र जून—जुलाई 2021—22 का सैद्धांतिक प्रश्न पत्र का स्वरूप सत्रीय कार्य जून—जुलाई 2021—22 जैसा ही रहेगा।**
4. **सत्रीय कार्य के मूल्यांकन में छात्र द्वारा किए गए अध्ययन एवं लेखन, विषय की व्याख्या तथा लेखन में मौलिकता को आधार बनाया जायेगा। इसमें अध्ययन लेखन पर अधिकतम 60 प्रतिशत (18 अंक) दिया जावेगा, विषय—वस्तु की व्याख्या के लिएअधिकतम 20 प्रतिशम (6 अंक) तथा सृजनात्मक, मौलिक—सोच प्रदर्शित होने पर अधिकतम 20 प्रतिशत (6 अंक) प्राप्त हो सकते है। इस प्रकार मूल 100 प्रतिशत (30 अंक) का विभाजन रहेगा।**

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

सत्रीय कार्य(Assignment Work)सत्र –जून–जुलाई 2021–22

एम.ए.–अंतिम (संस्कृत)

विषय –नाटक तथा नाट्यशास्त्र **प्रश्न–पत्रः तृतीय**

पूर्णांक : 30 **न्यूनतम उत्तीर्णांकः 12**

नोटः– परीक्षार्थी प्रत्येक खण्ड के निर्देशों को ध्यान से पढ़कर प्रश्नों को हल करें।

परीक्षार्थी हेतु निर्देश :

खण्ड अ– अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1 से 8) कुल 08 प्रश्न है, सभी प्रश्न अनिवार्य। प्रति प्रश्न 0.5 अंक उत्तर शब्द सीमा 1–2 शब्द या एक वाक्य।

खण्ड ब –अति लघुउत्तरीय प्रश्न (9 से 14) कुल 06 प्रश्न है जिसमें से कोई 04 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 01 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 75 या आधा पेज।

खण्ड स –लघुउत्तरीय प्रश्न (15 से 18) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 03 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 02 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 150 या एक पेज।

खण्ड द –अर्द्ध दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (19 से 22) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 02 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 04 अंक का होगा। शब्द सीमा 300 या दो पेज।

खण्ड ई – दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (23 से 24) कुल 02 प्रश्न है जिसमें से कोई 01 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 08 अंक का होगा। उत्तर की शब्द सीमा 600–750 या 4–5 पेज।

खण्ड–अ

1. 'मुद्राराक्षस' नाटक में प्रधान रस ..... है।
2. राक्षस की अँगूठी चाणक्य को कहाँ से मिलती है ?
3. दुर्योधन की पत्नी का क्या नाम था ?
4. दुःशासन वध की सूचना किस अंक में है ?
5. 'मृच्छकटिकम्' क्या है ?
6. नायक में कितने सात्त्विक गुण होते हैं ?
7. 'मृच्छकटिकम्' के द्वितीय अंक में कितने दृश्य हैं ?
8. वीर रस में कौन-सी वृत्ति का प्रयोग होता है ?

खण्ड–ब

9. 'मुद्राराक्षस' के अनुसार चाणक्य की योजना क्या थी ?
10. मलयकेतु का संक्षिप्त परिचय लिखिए।
11. भीम ने क्या प्रतिज्ञा की थी ?
12. मृच्छकटिक की विशेषताएँ लिखिए।

13. पताका और प्रकरी में अन्तर स्पष्ट कीजिए।

14. नाटक किसे कहते हैं ?

खण्ड—स

15. 'विद्वांसोऽविकत्थाना भवन्ति' इस उक्ति पर प्रकाश डालिए।

16. दुर्योधन भानुमती पर किस कारण क्रोध करते हैं ?

17. नायक के गुणों का वर्णन कीजिए।

18. युधिष्ठिर पर भीम के क्षुब्ध होने का कारण स्पष्ट कीजिए।

खण्ड—द

19. 'मुद्राराक्षस' नाटक की प्रमुख विशेषताएँ लिखिए।

20. भट्ट नारायण के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का वर्णन कीजिए।

21. 'मृच्छकटिकम्' की कथावस्तु को संक्षेप में लिखिए।

22. दशरूपक का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

खण्ड—इ

23. 'मुद्राराक्षस' नाटक की कथावस्तु का विस्तार से वर्णन कीजिए।

24. वसन्तसेना❁ चारुदत्त के किन गुणों से प्रभावित हुई थी ? इस पर प्रकाश डालिए।

आवश्यक निर्देश :–

1. **सत्रीय लेखन कार्य को घर से लिखकर उत्तरपुस्तिका दिनांक 28 फरवरी 2022 तक संबंधित अध्ययन केन्द्र में जमा करें। सत्रीय कार्य स्व–हस्तलिखित होना चाहिए। दूसरे के द्वारा लिखा गया, फोटोकापी या पुस्तक का हिस्सा चिपकाना अनुचित साधन का प्रयोग माना जायेगा।**
2. **छात्र सत्रीय कार्य लेखन हेतु अन्य संदर्भित पुस्तकों का भी उपयोग कर सकते है।**
3. **सत्रांत परीक्षा सत्र जून–जुलाई 2021–22 का सैद्धांतिक प्रश्न पत्र का स्वरूप सत्रीय कार्य जून–जुलाई 2021–22 जैसा ही रहेगा।**

4- **सत्रीय कार्य के मूल्यांकन में छात्र द्वारा किए गए अध्ययन एवं लेखन, विषय की व्याख्या तथा लेखन में मौलिकता को आधार बनाया जायेगा। इसमें अध्ययन लेखन पर अधिकतम 60 प्रतिशत (18 अंक) दिया जावेगा, विषय–वस्तु की व्याख्या के लिए अधिकतम 20 प्रतिशम (6 अंक) तथा सृजनात्मक, मौलिक–सोच प्रदर्शित होने पर अधिकतम 20 प्रतिशत (6 अंक) प्राप्त हो सकते है। इस प्रकार मूल 100 प्रतिशत (30 अंक) का विभाजन रहेगा।**

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

सत्रीय कार्य(Assignment Work)सत्र –जून–जुलाई 2021–22

एम.ए.–अंतिम (संस्कृत)

विषय –भारतीय समाज एवं पर्यावरण **प्रश्न–पत्रः चतुर्थ**

पूर्णांक : 30 **न्यूनतम उत्तीर्णांकः 12**

नोटः– परीक्षार्थी प्रत्येक खण्ड के निर्देशों को ध्यान से पढ़कर प्रश्नों को हल करें।

परीक्षार्थी हेतु निर्देश :

खण्ड अ– अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1 से 8) कुल 08 प्रश्न है, सभी प्रश्न अनिवार्य। प्रति प्रश्न 0.5 अंक उत्तर शब्द सीमा 1–2 शब्द या एक वाक्य।

खण्ड ब –अति लघुउत्तरीय प्रश्न (9 से 14) कुल 06 प्रश्न है जिसमें से कोई 04 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 01 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 75 या आधा पेज।

खण्ड स –लघुउत्तरीय प्रश्न (15 से 18) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 03 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 02 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 150 या एक पेज।

खण्ड द –अर्द्ध दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (19 से 22) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 02 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 04 अंक का होगा। शब्द सीमा 300 या दो पेज।

खण्ड ई – दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (23 से 24) कुल 02 प्रश्न है जिसमें से कोई 01 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 08 अंक का होगा। उत्तर की शब्द सीमा 600–750 या 4–5 पेज।

खण्ड–अ

1. वैदिक मतानुसार प्रभुभक्ति के **तीन** अ🕐 कौन-कौन से हैं ?
2. शिक्षा वेदपुराण का क्या है ?
3. पौराणिक विश्वकोष किसे कहा जाता है ?
4. 'चरैवेति' का उपदेश किस ग्रन्थ में है ?
5. 'जातस्य हि ध्रुवो मृत्युः' किस ग्रन्थ में उद्धृत है ?
6. 'धर्मो रक्षति रक्षितः' किस ग्रन्थ का कथन है ?
7. विश्व जलदिवस कब मनाया जाता है ?
8. सर्वाधिक वर्षा वाला देश कौन-सा है ?

खण्ड–ब

9. स्तुति और प्रार्थना में अन्तर स्पष्ट कीजिए।
10. निर्वाणमार्ग में श्रावकों के **पाँच** भेद कौन-कौन से हैं ? नाम लिखिये।
11. आत्मा के सम्बन्ध में गीता की क्या मान्यता है ?
12. तीन प्रकार के कर्मों का नामोल्लेख कीजिए।
13. किन्हीं **पाँच** पर्यावरणीय संकटों का नाम लिखिये।

14. पर्यावरणीय समस्या के **चार** प्रमुख कारण बताइये।

खण्ड—स

15. श्रमण धर्म के **चार** आर्यसत्यों की विवेचना कीजिए।
16. पुराणों के रचना काल और विकासक्रम पर प्रकाश डालिए।
17. प्राचीन संस्कृत साहित्य की प्रमुख विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।
18. ब्रह्मपुराण तथा पद्मपुराण का परिचय दीजिए।

खण्ड—द

19. वैदिक धर्म के प्रमुख संस्कारों की विवेचना कीजिए।
20. पुराणों के महत्व पर अपने विचार प्रस्तुत कीजिए।
21. वैदिक साहित्य में वर्णित शासन प्रणाली पर प्रकाश डालिए।
22. पर्यावरण प्रदूषण के विभिन्न प्रकारों पर निबन्ध लिखिये।

खण्ड—इ

23. संस्कृत साहित्य में वर्णित पर्यावरण की अवधारणा को स्पष्ट कीजिए।
24. संस्कृत साहित्य में राष्ट्रीयता की अवधारणा की समीक्षात्मक विवेचना प्रस्तुत कीजिए।

आवश्यक निर्देश :—

1. **सत्रीय लेखन कार्य को घर से लिखकर उत्तरपुस्तिका दिनांक 28 फरवरी 2022 तक संबंधित अध्ययन केन्द्र में जमा करें। सत्रीय कार्य स्व—हस्तलिखित होना चाहिए। दूसरे के द्वारा लिखा गया, फोटोकापी या पुस्तक का हिस्सा चिपकाना अनुचित साधन का प्रयोग माना जायेगा।**
2. **छात्र सत्रीय कार्य लेखन हेतु अन्य संदर्भित पुस्तकों का भी उपयोग कर सकते है।**
3. **सत्रांत परीक्षा सत्र जून—जुलाई 2021—22 का सैद्धांतिक प्रश्न पत्र का स्वरूप सत्रीय कार्य जून—जुलाई 2021—22 जैसा ही रहेगा।**
4. **सत्रीय कार्य के मूल्यांकन में छात्र द्वारा किए गए अध्ययन एवं लेखन, विषय की व्याख्या तथा लेखन में मौलिकता को आधार बनाया जायेगा। इसमें अध्ययन लेखन पर अधिकतम 60 प्रतिशत (18 अंक) दिया जावेगा, विषय—वस्तु की व्याख्या के लिए अधिकतम 20 प्रतिशम (6 अंक) तथा सृजनात्मक, मौलिक—सोच प्रदर्शित होने पर अधिकतम 20 प्रतिशत (6 अंक) प्राप्त हो सकते है। इस प्रकार मूल 100 प्रतिशत (30 अंक) का विभाजन रहेगा।**